सीनियर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा
परीक्षा – मार्च, 2019
अंक योजना हिन्दी 'ऐच्छिक'
कक्षा – XII

कूटबंध **29/5/1**
29/5/2
29/5/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/5/1	29/5/2	29/5/3		
				खंड – क	
1.	1.	1.	1.	**अपठित गद्यांश**	
	क	क	क	• अपनी सभ्यता का अवलोकन करना • काम के संबंध में लोगों की विचारधारा को परखना • काम के आधार पर उन्हें दो वर्गों में विभाजित करना	2
	ख	ख	ख	• काम को घृणित आवश्यकता समझना • उनकी उपयोगिता केवल धन प्राप्त करने में • दिन भर का काम समाप्त हो जाने पर अपने आप में आनंदित रह कर जीवन जीना	2
	ग	ग	ग	• काम को आनंद और आत्मपरितोष का सुअवसर समझना • धनोपार्जन का उद्देश्य – काम के प्रति एकनिष्ठता तथा उपासना का भाव	2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
	घ	घ	घ	• संपन्न लोग जो काम नहीं करते • बिना श्रम किए धन पाने की आशा • नारी भी धन की लालसा करने वाले से गृहस्थ के काम को अभिशाप तुल्य समझती है	2
	ङ	ङ	ङ	• कलाकार, विद्वान और वैज्ञानिक • वस्तुओं को बनाने और खोजने में दिलचस्पी रखने वाले परंपरागत कारीगर • कर्म के प्रति आनंद और गर्व का अनुभव करने वाले कुशल मिस्त्री और इंजीनियर	2
	च	च	च	• काम के संबंध में विचार • काम के प्रति दृष्टिकोण (अन्य उपयुक्त शीषर्क भी स्वीकार्य)	1
2.	2.	2.	2.	**अपठित काव्यांश**	
	क	क	क	मार्गदर्शन करना	1
	ख	ख	ख	अंधेरे और अभाव में जी रहे तथा आगे बढ़ने के इच्छुक	1
	ग	ग	ग	• चुपचाप अपने कर्तव्य में लीन, पराधीन और अंधेरे को ही अपना जीवन समझने वालों के लिए	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
				• अपने विचार व्यक्त कर पाने और जाग्रत होने के लिए	
	घ	घ	घ	• विचारों को व्यक्त करने की क्षमता • वे भी अपनी बात कह सके	1
	ङ	ङ	ङ	आशा और आजादी का भाव जगाना	1
	अथवा	अथवा	अथवा		
	क	क	क	• नव वर्ष का • नव उत्साह एवं नई उमंगें लाने के लिए	1
	ख	ख	ख	सुख–दुख का अनुभव तथा दोनों को सहज स्वीकारना	1
	ग	ग	ग	• जीत तथा हार दोनों को समभाव से स्वीकरना • प्यार देने और लेने का भाव जाग्रत करना	1
	घ	घ	घ	मालिक और श्रमजीवी अर्थात् शोषक–शोषित वर्ग	1
	ङ	ङ	ङ	त्याग और बलिदान करने वाले वीर	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
				खंड–ख	
3.	3.	3.	3.	**किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित** • भूमिका एवं उपसंहार 1+1 • विषय–वस्तु 4 • प्रस्तुति और भाषा 1+1	8
4.	4.	4.	4.	**पत्र लेखन** • आरंभ और अंत की औपचारिकताएं 1 • विषयवस्तु 3 • भाषा 1	5
5.		–	–	**किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–**	1x4=4
	5. क			मुद्रित माध्यम अर्थात् प्रिंट मीडिया	1
	ख			सन् 1556 ई., गोवा में	1
	ग			• प्रिंट–माध्यम में समय–सीमा सुनिश्चित • प्रिंटिंग हो जाने पर अशुद्धियों के लिए संशोधन का तुरंत कोई विकल्प नहीं • इलेक्ट्रॉनिक माध्यम तीव्र और सटीक • चौबीसों घंटे समाचार तथा सूचनाएँ उपलब्ध	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
				(कोई एक अंतर अपेक्षित, अन्य उपयुक्त अंतर भी स्वीकार्य)	
	घ			फीचर, एक सुव्यवस्थित, सृजानात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन	1
	ङ			• इन–डेप्थ रिपोर्ट में सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध तथ्यों, सूचनाओं और आँकड़ों की गहरी छान बीन • उसके आधार पर किसी घटना, समस्या या मुद्दे से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं को सामने लाना	1
	–	5. क	–	• रेडियो सन् 1936 में • दूरदर्शन सन् 1965 में	1
		ख		इलेक्ट्रॉनिक– • स्थायी माध्यम • शीघ्रता से प्रदर्शित किया जा सकना मुद्रित माध्यम– • लम्बे समय तक सुरक्षित रहना • प्रमाण के रूप में प्रस्तुत करने योग्य (अन्य अपेक्षित उत्तर भी मान्य)	1
		ग		किसी घटना या दृश्य को संबंधित व्यक्ति या प्रत्यक्षदर्शी द्वारा प्रमाणित किया जाना	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
		घ		• सभी क्षेत्रों की तथा संबंधित भाषा में सूचना उपलब्ध करानेवाला माध्यम • शिक्षित–अशिक्षित सभी श्रोताओं तक संप्रेषण योग्य	1
		ङ		किसी भी ऐसी ताज़ी घटना, विचार या समस्या की सूचना जिसमें जनरुचि हो	1
	–	–	5. क	• संपादकीय तथा फीचर लिखना • प्रत्येक पृष्ठ की सामग्री के बीच समन्वयन • संवाददाताओं तथा एजेंसियों द्वारा भेजी गई खबरों पर निर्णय • प्रथम पृष्ठ पर दिए जाने वाले समाचार और चित्रों का चयन (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	1
			ख	• जनसंचार माध्यमों से प्रसारित या प्रकाशित होने वाली सामग्री को नियंत्रित और निर्धारित करने वाले को द्वारपाल कहा जाना • समाचार की सच्चाई, विश्वसनीयता, संतुलन तथा बच्चों की परख करना	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
			ग	किसी विषय की गहराई से छान बीन करके छिपे हुए तथ्यों एवं सूचनाओं को सामने लाना	1
			घ	• बोल चाल एवं सारयुक्त भाषा–प्रयोग • दृश्यानुकूल भाषा • सरल, प्रभावी, प्रवाहयुक्त एवं संप्रेषणीय • सामासिक एवं मुहावरेदार भाषा से बचाव (किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख आवश्यक)	1
			ङ	• प्रिंट (मुद्रित) माध्यम सबसे पुराना • अखबार, पत्रिकाएँ एवं पुस्तकें आदि • छपे शब्दों में स्थायित्व • चिंतन, विचार, विश्लेषण का माध्यम • मनमर्जी से पढ़ने की सुविधा	1
6.	6.	6.	6.	**आलेख लेखन / फीचर लेखन** • विषय–वस्तु 2 • भाषा और प्रस्तुति 1	3
				खंड – ग	
7.	7.	7.	7.	**काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या–**	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
				• कवि व कविता का नामोल्लेख ½+½=1 • प्रसंग 1 • व्याख्या बिंदु 3 • विशेष 1 अरुण यह.....निज प्यारा। कवि – जयशंकर प्रसाद कविता – कार्नेलिया का गीत प्रसंग – सिल्यूकस की पुत्री कार्नेलिया द्वारा भारत की गौरव गाथा और प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन व्याख्या बिंदु– • भारतवर्ष अनुपम, माधुर्य युक्त एवं इसके क्षितिज में भी अपनापन • सूर्य की प्रथम किरणों का तरु शिखाओं पर लालिमा बिखेरना • सुगंधित तथा शीतल हवा का बहना • पक्षियों एवं विदेशी जनों का भारत की ओर निर्भीक एवं निज भाव से आना विशेष– • पंख पसारे, समीर सहारे – अनुप्रास अलंकार • लघु सुरधनु से पंख पसारे – उपमा	6 6

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
			.	• अलंकार • संस्कृतनिष्ठ भाषा • संगीतात्मकता **अथवा** कुसुमित कानन.....तोहारा। कवि – विद्यापति कविता – पद प्रसंग – • विरहिणी राधा की पीड़ा का मार्मिक चित्रण • प्रकृति–सौंदर्य से नायिका की विरहाग्नि का उद्दीप्त होना व्याख्या बिंदु– • राधा की सखी द्वारा कृष्ण को बताना • फूलों से लदे उपवन को विरहिणी नायिका द्वारा देखना और आँखें मूंद लेना • कोयल का स्वर और भँवरे की गुंजार सुनकर राधा द्वारा कान ढक लेना • कृष्ण प्रेम में आत्मविभोर होकर विरहिणी राधा का अत्यंत दुर्बल हो जाना विशेष– • भाषा – मैथिली	6

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
				• विप्रलंभ शृंगार रस • अनुप्रास अलंकार – कुसुमित कानन, कोकिल कलरव...	
8.	8.	–	–	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर–**	2+2=4
	क			• विवाह में समारोह का अभाव, अत्यंत सादगी से संपन्न • आत्मीयजन, पुरोहित, मंगलगीत, मनोरंजन के कार्यक्रमों आदि का अभाव • दहेज एवं रीति–रिवाज रहित विवाह • मातृविहीन सरोज की विदाई में पिता द्वारा शिक्षा देना • पुष्प–शय्या स्वयं पिता द्वारा ही सजाना	2
	ख			• किसी समय कोई बात, घटना अथवा विचार पर हमारी आत्मा का विशेष आभा के साथ दमक उठना • हमारी अंतरात्मा ही सत्य को पहचानने में सहायक • सत्य से प्रेरित कार्यों से ही सत्य की पहचान कर सकना	2
	ग			• वियोगिनी नायिका का हिमपात के कारण जड़वत् हो जाना • विरह की प्रतिक्रिया स्वरूप कृशकाय	2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
				विरहिणी का रजाई ओढ़ने से भी ठंड में काँपना ● नयनों से अश्रुपात होने से बादलों से पानी गिरने की सी अनुभूति ● वर्षा के कारण हुए गीले कपड़ों से बाणों की चुभन तुल्य अनुभूति	
	घ			● यहाँ हर काम का धीरे–धीरे होना अर्थात् जीवन में अत्यंत ठहराव का भाव ● धार्मिक और ऐतिहासिक वातावरण पूर्ववत् दृढ़	2
	–	8. क	–	● प्रकृति से मनुष्य संबंध का टूटना ● वसंत में पतझड़, नई कोंपलों का आना, शीतल मंद पवन बहना आदि पर ध्यान न जाना ● मनुष्य की आधुनिक जीवन–शैली कवि की चिंता कारण– ● मनुष्य का प्रकृति से एकात्मकता का अभाव ● आधुनिक व्यस्तता, मशीनी क्रांति के कारण हुए जीवन–शैली में परिवर्तन ● कार्यक्षेत्र की चारदीवारी में सिमट कर रह जाना (एक–एक बिंदु का उल्लेख अपेक्षित)	2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
		ख		• वन में राम से भरत की भेंट तथा राम की अत्यधिक प्रशंसा • भरत विनम्रता की मूर्ति अतः राम की उन पर विशेष कृपा • खेल में भी भरत के प्रति राम का ईर्ष्या भाव न होना • जीतकर भी उनका भरत से हार जाना उनके स्नेह का प्रतीक	2
		ग		• अगहन मास में ठंड अधिक • बादलों से घिरा आसमान दिन में भी रात का – सा लगना • आग में भी शीतलता का अनुभव किंतु विरहिणी के हृदय को और अधिक जलाती हुई • वियोगिनी नायिका का दीपक की बाती समान जलना	2
		घ		• अनैतिक और अनुचित तरीकों को अपनाकर • हर कदम पर बेईमानी, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार द्वारा संपत्ति अर्जित कर • लोगों के साथ विश्वासघात कर मालामाल एवं आत्मनिर्भर हो जाना	2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
	–	–	8. क	• प्रकृति से मनुष्य संबंध का टूटना • वसंत में पतझड़, नई कोंपलों का आना, शीतल मंद पवन बहना आदि पर ध्यान न जाना • मनुष्य की आधुनिक जीवन–शैली कवि की चिंता कारण– • मनुष्य का प्रकृति से एकात्मकता का अभाव • आधुनिक व्यस्तता, मशीनी क्रांति के कारण हुए जीवन–शैली में परिवर्तन • कार्यक्षेत्र की चारदीवारी में सिमट कर रह जाना	2
			ख	• प्रेमी का केवल आशा के भरोसे सपने देखना • आशा के कारण मिलन के भ्रम में पड़े रहना • उसकी धुन का बावलापन की स्थिति तक पहुँच जाना चाहे असफलता मिले ('बलवती' पक्ष में अन्य उत्तर अपेक्षित)	2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
			ग	• राम के बाल धनुष तथा जूतियाँ आदि सामान देखकर उनकी स्मृति के विरह में जागना • दुखी अश्वों को देखकर राम से एक बार पुनः अयोध्या आने का निवेदन • अर्धविक्षिप्त अवस्था में अपने आप से बातें करना • चित्रवत् अर्थात जड़ स्थिति में हो जाना (किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख स्वीकार्य)	2
			घ	• भिखारियों, बंदरों आदि को भरपूर भोजन आदि दान रूप में मिलना • बनारस की गतिविधियों का धीमी गति से चलना • बनारस के प्राचीन सांस्कृतिक वैभव की ठेठ बनारसीपन से प्रस्तुति • गंगा में बंधी नाव, घाटों पर जलने वाले दीप, न बुझने वाली चिताग्नि, उनसे उठता धुआँ, अलक्षित सूर्य को अर्घ्य देते भक्त	2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
9.				किन्हीं दो पद्यांशों का काव्य–सौंदर्य लिखना अपेक्षित भाव पक्ष – 1 कला पक्ष – 2	3x2=6
	9. क	9. क	9. क	भाव पक्ष ● पुत्र–वियोग से दुखी माता कौशल्या की मर्म–वेदना ● राम के वनगमन का स्मरण आते ही कौशल्या का चित्रलिखी अर्थात् जड़वत् खड़े रह जाना ● चकित मोरनी के समान माँ का राम की प्रतीक्षा में एकटक राह निहारना कला पक्ष ● 'चित्रलिखी–सी', 'सिखी–सी' में उपमा अलंकार ● 'चकि चित्रलिखी' में अनुप्रास अलंकार ● वात्सल्य रस की व्यंजना ● चित्रात्मकता	3
	ख	ख	ख	भाव पक्ष ● कवि द्वारा ऐसे दुर्दिनों की ओर इशारा जहाँ संघर्ष करते जागरूक, सावधान लोगों के भी होश खत्म हो जाना ● विषम परिस्थितियों में जीवन जीना कठिन ● अब रक्षक ही भक्षक रूप में, अतः जिजीविषा भी समाप्तप्राय कला पक्ष ● ठग–ठाकुरों में रूपक, अनुप्रास अलंकार ● ठग–ठाकुर शोषक वर्ग के प्रतीक	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
				• तत्समयुक्त खड़ी बोली का सरल सहज प्रयोग • मुहावरेदार भाषा – कंठ रुकना, काल आना। • पंक्तियों में तुकान्त प्रयेग एवम् लाक्षणिकता का समावेश	3
	ग	ग	ग	भाव पक्ष • वसंत ऋतु के आगमन का चित्रण • लाल बजरी वाली सड़क के किनारे फुटपाथ पर कवि का चलना • किसी ऊँचे वृक्ष से गिरे बड़े तथा पीले वस्त्रों का राहगीर के पैरों तले आकर चुरमुराना • सुबह का प्रभावशाली वर्णन कला पक्ष • भाषा सहज, सरल खड़ी बोली • तद्भव तथा तत्सम शब्दों का प्रयोग • पियराए पत्ते – अनुप्रास अलंकार • 'बड़े–बड़े' में – पुनरुक्ति • 'लाल बजरी', 'ऊँचे तरुवर', 'पियराए पत्ते' में विशेषण–विशेष्य प्रयोग	3
	घ	घ	घ	भाव पक्ष • विरह–तप्त स्थिति में कवि का अपनी प्रेयसी सुजान को प्रेम–पत्र लिखना • प्रेयसी का पत्र पढ़े बिना ही फाड़कर फेंक देना। • 'हितपत्र' को फाड़कर फेंकने की प्रतिक्रिया स्वरूप कवि की किंकर्त्तव्यविमूढ़ स्थिति।	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
10.	10.	10.	10.	कला पक्ष • काव्यभाषा • सरल सहज ब्रजभाषा • सवैया छंद • शृंगार रस • उपालंभ भाव • अनुप्रास – जान अजान • रूपक – हितपत्र • अभिधा शब्द शक्ति का प्रयोग **गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या** • संदर्भ तथा प्रसंग – 1 • व्याख्या बिन्दु – 3 • विशेष – 1 जरा–सी आहट .... मटियामेट हो जाएगा। पाठ – 'जहाँ कोई वापसी नहीं' लेखक – निर्मल वर्मा प्रसंग – लेखक ने यात्रावृत्तांत के क्रम में सिंगरौली के अमझर में कार्य करती ग्रामीण महिलाओं के सौंदर्य का चित्रण <u>व्याख्या बिंदु</u> : • लेखक के आगमन की आहट से सिर झुकाए कर्मरत महिलाओं का चकित होकर देखना। • कान्हा के वन्यस्थल की युवा हिरणियों से महिलाओं की तुलना • महिलाओं का विस्मय से मुस्कुरा कर पुनः धान रोपने में व्यस्त हो जाना • लेखक की चिंता कि औद्योगीकरण के	5

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
				कारण कर्म के सौंदर्य का यह दृश्य भी कहीं समाप्त न हो जाए विशेष ; ● सरल सहज खड़ी बोली ● चित्रात्मकता **अथवा** आखिर इस ..... उत्कीर्ण है। पाठ – 'कच्चा चिट्ठा' लेखक – ब्रजमोहन व्यास प्रसंग – एक फ्रांसीसी व्यक्ति से बोधिसत्व की मूर्ति के दस हजार रुपए देने की बात सुन लेखक का अचंभित होना व्याख्या ● मूर्ति का मूल्य और महत्व उसकी प्राचीनता के कारण अत्यधिक ● पाठकों के मूर्ति के इतिहास से अनभिज्ञ होने के कारण ही 'सुरखाब के पर' से मूर्ति की तुलना का प्रश्न उठना ● फ्रांसीसी व्यक्ति को बोधिसत्व की उस मूर्ति के महत्व का समाचार–पत्रों से ज्ञान ● मूर्ति कुषाण सम्राट कनिष्क के राज्यकाल से संबंधित अतः महत्वपूर्ण विशेष ; ● सरल सहज खड़ी बोली ● वर्णनात्मक	
11.	11. क	–	–	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित** ● घर में बचपन से ही हिन्दी का वातावरण, हिन्दी की पत्रिकाएँ मँगाई जाती थीं।	3x2=6

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
				• हिन्दी पुस्तकालय से पुस्तकें लाकर पढ़ना • समवयस्क हिन्दी प्रेमियों की मंडली से मिलाप और नए–पुराने लेखकों की चर्चा • रामचरितमानस, रामचंद्रिका और भारतेंदु जी के नाटक आदि पुस्तकों ने हिन्दी साहित्य के प्रति झुकाव बढ़ाया	3
	ख			• 'पहचान' के माध्यम से सत्ता (व्यवस्था) पर व्यंग्य • सत्ता की व्यवस्था में गूंगी, बहरी, अंधी जनता का योगदान • राजा की इच्छानुसार ही जनता का चलना अर्थात् कार्यों में सहयोग • शासन के षड्यंत्र से जनता द्वारा अपनी पहचान ही समाप्त कर देना	3
	ग			• ग्रामीण समाज में संवाद या संदेश ले जाने वाले को 'संवदिया'; विशेषता – • संवाद को इतना अधिक गुप्त रखना कि पक्षी तक को उसका ज्ञान न हो • संवाद का प्रत्येक शब्द याद रहना अपेक्षित • संवदिया संवाद को उसी हाव–भाव रूप में सुनाता जिस रूप में उसे बताया जाता (कोई दो बिन्दु अपेक्षित)	3
	घ			• प्रजापति अपनी इच्छाानुसार रचना करते, विश्व को बदल देने का सामर्थ्य	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
	–	11. क	–	• कवि में भी यथार्थ जीवन को अपनी लेखनी द्वारा आदर्श तथा मनचाहे स्वरूप में प्रतिबिंबित कर बदलने का सामर्थ्य • कवि ब्रह्मा रचित समाज से असंतुष्ट होकर नया समाज बनाता है • नई रचना के सामर्थ्य के कारण ही कवि प्रजापति के समान	3
				• लेखक के पिता का हिन्दी–फारसी के अच्छे ज्ञाता होना • हिन्दी–उर्दू भाषाओं का तुलनात्मक अध्ययन एवं उक्तियों के मिलान का ज्ञान लेखक को बचपन में ही संस्कार रूप में प्राप्त होना • युवावस्था में लेखक का मिर्जापुर में अधिकांशतः उर्दू भाषी पड़ोसियों के संपर्क में रहना • हिन्दी के संस्कृतनिष्ठ शब्दों का बातचीत में प्रयोग कर लेखक तथा उसकी मित्र मंडली की अपनी अलग पहचान बनाना • अतः 'निस्संदेह' शब्द भी उस मडण्ली का पर्याय बन गया • उर्दू जानने वालों द्वारा साहित्यिक हिन्दी का मज़ाक उड़ाने की प्रवृत्ति	3
		ख		• बड़ी बहुरिया का छलछलाई आँखों से हरगोबिन को अपने मायके दर्दभरा संदेश पहुँचाने को कहना • माँ से कहना – '' मैं भाई–भाभियों की नौकरी करके, बच्चों की जूठन खाकर कोने में पड़ी रहूँगी।'	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
		ग		• बहुरिया का अकेलापन, अत्यंत गरीबी में बथुआ–साग खाकर न जी पाना आदि, दर्द असह्य हो गए तो बहुरिया ने धमकी दी – 'मैं किसी दिन गले में, घड़ा बाँधकर पोखर में डूब मरुंगी।' • साहित्यकार की अनुभूति का विषय समाज, समाज की समस्याएँ, जीवन मूल्य आदि • समाज का साहित्य को स्वीकार कर तदनुसार अच्छा आचरण कर अग्रसर होना • साहित्य द्वारा समाज की ज्ञान–पिपासा को तृप्त करना • साहित्य से राष्ट्रीय इतिहास, देश का गौरव, संस्कृति, सभ्यता, पूर्वजों के विचार, अनुसंधान, रीति–रिवाज, रहन–सहन, परंपरा का ज्ञान प्राप्त करना • समाज के ही 'ज्ञान राशि के संचित कोश' को साहित्य कहा गया (किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	3
		घ		• मुक्त प्रश्न • विद्यार्थी असगर वजाहत की किसी भी लघुकथा का केंद्रीय भाव लिखेंगे	3
	–	–	11. क	• लेखक के मुहल्ले में अधिकतर वकील, मुख्तार, कचहरी के अफसर और कर्मचारियों का रहना • उन लोगों द्वारा उर्दू भाषा का ही प्रयोग • लेखक–मण्डली द्वारा बोली जाने वाली	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
				हिन्दी ही उनकी पहचान बनाना ● 'निःसंदेह' जैसे कठिन शब्दों का प्रयोग बार–बार सुनकर उनके आस–पड़ोस द्वारा मज़ाक उड़ाने के लिए लेखक–मण्डली को 'निःसंदेह' सम्बोधन से ही पुकारा जाना	
			ख	● 'शरतचंद्र' के प्रसिद्ध उपन्यास 'देवदास' के पात्रों देवदास और पारो के नाम की तर्ज पर उस कहानी की नायिका पारो के नाम के साथ मेल बिठाने के लिए नायक संभव द्वारा अपने को 'देवदास' कहना ● पारो और संभव के शुद्ध प्रेम को 'बंबईया फिल्मों' की परिपाटी से अलग हटा कर दिखाना ● देवदास के आत्महंता, पलायनवादी प्रेम की तुलना में संभव के प्रेम को पवित्र और स्थायी रूप में दर्शाया जाना ● अतः 'संभव' को 'दूसरा देवदास' से संबोधित करना सार्थक	3
			ग	● मनुष्य के विकास के लिए शिक्षा, न कि शिक्षा के लिए मनुष्य का प्रयोग ● आज की बीमार शिक्षा प्रणाली अर्थात् 'रट्टू तोता' बनाने की प्रक्रिया से मनुष्य और मनुष्यता को बचाना ● पुरस्कार रूप में लड्डू माँगते हुए बालक को दिखाकर लेखक का समाज को सावधान करते हुए शिक्षा पद्धति में सुधार	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
				हेतु कहना • शिक्षा बच्चों पर लादो नहीं, अपितु शिक्षा के प्रति रुचि जगाओ	
			घ	• मोदिआइन के सामने हवेली में बुलाए जाने की बात को गुप्त रखने हेतु हरगोबिन का मौन रहना, • आर्थिक तंगी से गुज़र रही बहुरिया के प्रति सहानुभूति का भाव • राह खर्च व भोजन ग्रहण करने से इंकार कर देना • चरित्र की उदात्त भावना – गाँव की बहुरिया को माँ तुल्य मानना • अपने गाँव और बड़ी बहुरिया की इज्जत बचाने हेतु उसके मायके पहुँच संदेश न दे पाना • भूख लगने पर भी बहुरिया के मायके में अपना संयम बनाए रखना • 'परदुखकातर' स्वभाव के कारण दूसरों की परिस्थितियों को बुद्धि–विवेक से भाँप जाना • संदेशवाहक के कर्तव्य में स्वयं को असफल मानकर बहुरिया से माफी माँगना • कम पैसे होने पर सरकारी वाहन अर्थात् गाड़ी का मुफ़्त सफर न कर एक आदर्श यात्री रूप में उसके चरित्र की महानता • बहुरिया का दुख और लौटकर मायके चले जाने की कल्पना असह्य (किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख अपेक्षित)	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
12.	12.	12.	12.	**किसी एक लेखक / कवि का साहित्यिक एवं जीवन परिचय** • संक्षिप्त जीवन परिचय – 2 • रचनाएँ (दो का उल्लेख) – 1 • साहित्यिक विशेषताएँ – 2 रामविलास शर्मा जीवन परिचय – जन्म उत्तर प्रदेश • लखनऊ विश्वविद्यालय से एम.ए. तथा पी. एच.डी. की उपाधि प्राप्त कर अध्यापन कार्य में संलग्न • जीवन के आखिरी वर्षों में दिल्ली में रहकर साहित्य समाज और इतिहास से सम्बंधित चिंतन और लेखन • आलोचक, भाषाशास्त्री, समाजचिंतक इतिहासवेत्ता रूप में जाने जाते • 'निराला की साहित्य साधना' पुस्तक पर 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' प्राप्त रचनाएँ • भारतेंदु और उनका युग • महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण • प्रेमचंद और उनका युग • निराला की साहित्य साधना (तीन खंडों में) • भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी (तीन खंडों में) • इतिहास दर्शन भाषागत विशेषताएँ • भाषा में जीवंतता तथा सहृदयता • निबंधों में विचार और भाषा के स्तर पर	5 5

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
				एक रचनाकार की जीवंतता और सहृदयता • स्पष्ट कथन, विचार की गंभीरता और भाषा की सहजता अथवा <u>हज़ारी प्रसाद द्विवेदी</u> – <u>जीवन–परिचय</u> • जन्म– जिला बलिया, उत्तर प्रदेश • शिक्षा – काशी से शास्त्री–परीक्षा उत्तीर्ण कर काशी हिन्दु विश्वविद्यालय से ज्योतिषाचार्य की उपाधि • हिन्दु विश्वविद्यालय में हिन्दी विभाग के अध्यक्ष • जीवन के अंतिम दिनों में उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष–रूप में • अशोक के फूल • विचार और वितर्क • कल्पलता • कुटज • आलोक पर्व (निबंध संकलन) उपन्यास • चारूचंद्रलेख • बाणभट्ट की आत्मकथा • पुनर्नवा • अनामदास का पोथा • आलोचनात्मक ग्रंथ – सूर साहित्य, कबीर, हिन्दी, साहित्य की भूमिका, कालिदास की लालित्य योजना • हज़ारी प्रसाद द्विवेदी ग्रंथावली (ग्यारह	5

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
				खंड) जयशंकर प्रसाद जन्म – काशी के सूँघनी साहू–परिवार में शिक्षा – विधिवत शिक्षा केवल आठवीं कक्षा तक स्वशिक्षा द्वारा संस्कृत, पालि, उर्दू और अंग्रेज़ी भाषाओं का गहन अध्ययन उपनिषदों तथा वेदों में उनका विशेष चिंतन–मनन रचनाएँ • काव्य–झरना • आँसू • लहर • कामायनी • कानन कुसुम नाटक • अजातशत्रु • चंद्रगुप्त • स्कंदगुप्त • ध्रुवस्वामिनी उपन्यास • कंकाल • तितली कहानी संग्रह • छाया • प्रतिध्वनि • आँधी • इंद्रजाल • आकाशदीप निबंध – काव्यकला तथा अन्य निबंध	5

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
				पुरस्कार – 'हिन्दुस्तानी एकेडमी' एवम् 'काशी नागरी प्रचारिणी सभा' द्वारा कामायनी पर – मंगला प्रसाद पारितोषक काव्यगत विशेषताएँ – प्रसाद–साहित्य में भारतीय दर्शन, संस्कृति एवं मनोविज्ञान के साथ–साथ भारतीय जीवन का सफल चित्रण जैसे – • प्राकृति प्रेम • मानव प्रेम • ईश्वर तथा देश–प्रेम का चित्रण भाषा–शैली • संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली • मुक्त छंद की रचनाएँ • प्रतीक योजना, बिंब विधान • अलंकारों का सुंदर प्रयोग • माधुर्य गुण से युक्त शब्दावली अथवा विष्णु खरे जीवन परिचय • जन्म छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश में क्रिश्चियन कॉलेज, इंदौर से अंग्रेजी साहित्य में एम.ए. • 'इंदौर समाचार' में उप संपादक • 'नवभारत टाइम्स' में प्रभारी कार्यकारी रचनाएँ • 'टी.एस.–इलियट' का अनुवाद • 'मरूप्रदेश और अन्य कविताएँ' • एक और रुमानी समय में,	5

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
				• खुद अपनी आँख से • सबकी आवाज के परदे में <u>साहित्यिक एवं भाषागत विशेषताएँ</u> • भाषा में तत्सम, तद्भव और देशज शब्दों का प्रयोग • सहज, सरल भाषा • मुहावरों का सटीक प्रयोग • पौराणिक आख्यानों पर लेखन • सामाजिक विद्रूपताओं का विरोध • व्यंग्यात्मकता • रधुवीर सहाय सम्मान, शिखर सम्मान, हिन्दी अकादमी दिल्ली का साहित्यकार सम्मान, मैथिलीशरण गुप्त सम्मान	
13.	13.	13.	13.	'रूपसिंह का जीवन संघर्ष' • रूपसिंह 'आरोहण' कहानी के दो प्रमुख पात्रों में से एक पुरुष पात्र • रोज़गार की तलाश में मसूरी भाग जाना • मसूरी पर्वतारोहण संस्थान में अच्छी नौकरी पाना • पहाड़ों में सुविधाओं, रोज़गार की कमी के कारण जन्म भूमि से भागकर भी गाँव के प्रति अनन्य लगाव • मसूरी में रूपसिंह आधुनिक उपकरणों के सहारे पहाड़ों पर चढ़ता पर गाँव लौटने पर पहाड़ों की सीधी चढ़ाई चढ़ना उसके लिए चुनौती बना • अतः रूपसिंह का जीवन भी प्रकारान्तर से संघर्ष का पर्याय ही रहा	4

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
				अथवा • लेखक का गाँव कमल, कोइयाँ, हरसिंगार, तोरी, लौकी, भिंडी, कदम्ब के फूलों आदि की प्राकृतिक सुषमा से भण्डार युक्त • प्राकृतिक फूल–पत्तियाँ ही औषधिरूप में प्रयोग • पूरी कथा का केंद्र 'बिस्कोहर गाँव' है अतः लेखक का अपनी जन्मभूमि से लगाव, रागात्मक संबंध होना सहज • गर्मी, वर्षा, शरद ऋतु में होने वाली दिक्कतों के उपरान्त भी गाँव का जीवन ही मनभावन लगना • बिसनाथ के मन में संतोषी भैया के घर के आँगन की जूही की खुशबू का निरन्तर बसे रहना, वहीं सफेद कपड़े पहनने वाली बिस्कोहर की वह औरत भी लेखक को अपने बालपन में जूही–सी लगी अतः आकर्षण स्वाभाविक था • अतः उस औरत का सौन्दर्य भी जूही की लता सा लगा जिसके कारण लेखक का मन कह उठा – बिस्कोहर से ज़्यादा सुंदर कहीं की औरत नहीं (किन्हीं चार बिंदुओ का उत्तर अपेक्षित)	4
14.	14. क	–	–	**दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित** • रिनेसां से भी पहले भारत में ज्ञान–विज्ञान की समृद्ध परंपरा • पुराने राजाओं ने पानी के रख–रखाव के लिए तालाबों, बावड़ियों आदि का प्रबंध • बाँध बनवाना, कुएँ खुदवाना एवं तालाब बनवाना आदि	4x2=8

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
				• पश्चिमी शिक्षा प्राप्त इंजीनियर जल–प्रबंधन के परंपरागत तौर–तरीकों से अनभिज्ञ • भारत की प्राकृतिक एवं सामाजिक बनावट को नज़रअंदाज़ कर विकास के पश्चिमी मॉडल पर ज़ोर	4
	ख			• नदियों एवं जलस्रोतों के महत्व को नहीं समझ पाना • तेज़ी से औद्योगिक विकास • देश की सभी नदियाँ प्रदूषित • कल–कारखानों के कचरे से नदियों के पानी का ज़हर बनना • घरेलू कचरा भी जलस्रोतों में प्रवाहित • उपभोगवादी दृष्टिकोण का अपव्यय	4
	ग			• पर्वतीय जीवन अत्यंत कठिन, अभावों के मध्य जीवन–यापन • गाँवों तक पहुँचने के लिए सुगम पक्की मार्ग एवं सड़कों का अभाव • रोशनी, पानी, विद्यालय, यातायात के साधनों, अस्पतालों आदि • अधिकांश सुविधाओं का अभाव • रोज़गार की की कमी • जीवन की मुश्किलों से रिश्ते भी धुँधला जाते	4
	घ			• सुभागी के कारण सूरदास का सर्वनाश अतः सुभागी के मन में गहरा दुख	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
	–	14. क	–	• भैरों अर्थात् उसने अपने पति का घर त्यागा किंतु सूरदास की पोटली वापिस हो सके इस हेतु घर वापिस जाने का निर्णय लेना • अपने मान–अपमान की परवाह छोड़ने का निश्चय • भैरों के विरोध में मन की आवाज के बावजूद निर्दोष, सूरदास की मदद करने का निश्चय • पहाड़ों का आकर्षण सभी को, पर वहाँ जीवन जीना कठिन • जनसुविधाओं का अभाव, जीवन कष्टमय • सड़कें, पानी, नौकरी, शिक्षा, चिकित्सालय, बाज़ार आदि का केवल आंशिक सुख, कहीं–कहीं तो इनका नितांत अभाव • पहाड़ों में हिमस्खलन होना, मार्ग संकरे एवं खतरनाक • खाने–पीने की चीजों का, यातायात के साधनों का अभाव	4 4
		ख		कहानी का नायक, अंधा भिखारी; • भैरों द्वारा शोषित पत्नी को सूरदास द्वारा सहारा देने से भैरों के मन में सूरदास के प्रति बदले की भावना • पंचायत द्वारा दण्डित एवं अपमानित होने का कारण सूरदास को मानना • भैरों द्वारा सूरदास की झोपड़ी में आग लगाकर बदला लेना	4

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
		ग		• आज की सभ्यता विनाश की अपसभ्यता • पहले मालवा की नदियाँ जल से भरी रहतीं, आज वे सड़ी–गली नालियों, गाद से भरी नदियों में परिवर्तित • पवित्र नदियाँ प्रदूषित–कल कारखानों का गंदा कचरा उसमें गिराया जाता • घरेलू कचरा, अपशिष्ट पदार्थ एवं मूर्तियों का विसर्जन, जल का पीने लायक नहीं रहना • अतः इन्हीं कारणों से अपसभ्यता कहना उचित	4
		घ		• प्राकृतिक वातावरण, प्रकृति पर निर्भरता • आपस में सहयोग की भावना से अकाल, भूस्खलन के समय परिस्थितियों का सामना • बुनियादी नागरिक सुविधाओं की कमी • कमलककड़ी, हरसिंगार, तोरी, लौकी, इमली, कदंब आदि की उपलब्धता • फल–फूल, वनस्पतियों द्वारा रोगों का उपचार • संप–बिच्छु, कीड़े–मकोड़े एवं अन्य जीवजन्तुओं आदि का होना	4
	–	–	14. क	भूपसिंह की चारित्रिक विशेषताएँ – • आत्मविश्वासी – शिखर पर घर बनाकर रहना • धैर्यशील – धैर्यपूर्वक भूस्खलन का सामना • आत्मसम्मानी–रूपसिंह के साथ चलने के	4

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
				लिए कहे जाने पर भी मनाकर देना • स्नेहिल–छोटे भाई रूपसिंह के प्रति स्नेह का भाव, रूप द्वारा धक्का देने पर भूप भी गुस्सा न करना • लौटकर आए भाई के प्रति द्वेष रहित व्यवहार	
			ख	प्राचीन जलसंसाधन के उपाय – • पठार पर बाँध बनाकर बारिश का पानी रोक कर रखना • कुआँ, तालाब खुदवाना • बावड़ियाँ बनाकर बरसात के पानी को रोककर रखना • नदियों को देवता मान उनके जल का सदुपयोग	4
			ग	• माँ द्वारा बच्चों के कपड़ों में प्याज बाँध देना • कच्चे आम का पन्ना तथा आम ही भूनकर खा लेना • आम का शरबत पीना तथा देह में ले पाना, सिर धोना • ग्रामीण परिवेश में आज भी प्रचलित, शहरों में कम	4
			घ	• बिस्कोहर की औरत से बिसनाथ की उमर काफी कम	

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 5 / 1	29 / 5 / 2	29 / 5 / 3		
				• जैसे चाँदनी रात में, बरसाती, वातावरण में भी जूही की खुशबू बिसनाथ के मन में बसी • बिसनाथ के मन में संतोषी भैया के घर के आँगन की जूही की खुशबू का बसना • औरत उन्हें औरत के रूप में नहीं जूही की लता तथा उज्ज्वल चाँदनी के रूप में भी लगी, जिससे फूलों की खुशबू भी आती • प्रकृति सजीव नारी, बिसनाथ उसमें आकाश, चाँदनी, सुगंधि सब देख रहे थे • लेखक का उस सुंदर नारी व प्रकृति दोनों के प्रति अद्‌भुत रुझान अर्थात् झुकाव	4